

Padma Shri



SHRI KARTAR SINGH SONKHLE

Shri Kartar Singh Sonkhle, a retired Chief Pharmacist is a renowned artisan who has exceptional skill of making miniatures in bottles with bamboo sticks. Presently, he is imparting training to the trainees under the Central Government's Skill Development Scheme on the initiation of Government of Himachal Pradesh.

2. Born on 1st April, 1959 in village Ratera, Hamirpur, Himachal Pradesh to Late Smt. Janaki Devi and Late Sh. Paras Ram Sonkhle, Shri Sonkhle hails from a middle class farmer's family. He had his early education from Govt. Sr. Secondary School, Galore District Hamirpur and graduated from Shimla, Himachal Pradesh. After graduation, he acquired professional qualification from H.P. Medical Department. He served in the medical profession for 33 years. Irrespective of his profession, he had keen interest in observing and conserving the extinct and likely extinct things around him which happened to be the integral part of Indian culture and tradition.

3. Shri Sonkhle developed an idea to conserve old and beautiful buildings dilapidating and turning into ruins by making the model, out of which some were of historical and religious importance. With the passage of time, he adopted this interest as hobby and later a passion to craft beautiful miniature art with bamboo as base material and wastes like polythene bags, glass bottles, rugs etc. and shaping into eye catching replicas of historical structures, religious buildings and creatures.

4. Shri Sonkhle's art formed as centre of attraction and attention during his exhibitions in Bantony Castle Shimla, Nicholas Roerich Art Gallery Naggar, Kullu and also other places which collected much applaud and appreciation in Himachal Pradesh and outside. His devoted par excellence expertise in crafting miniatures and models with bamboo as base, not only mesmerizes but also keeps spell bound. Distinctively, he has assembled miniatures of historical and other structures in intact Glass Bottles through their throttles. Miniatures of Mahatma Gandhi, former President Dr. A.P.J Abdul Kalam, Prime Minister Sh. Narendra Modi, and many more distinguished personalities have also been shaped and assembled by him in the bottles.

5. Shri Sonkhle has been honoured with various awards by many institutions and groups including Indian Excellency Award. His name also figured in India Book of Records and Asia Book of Records.



श्री करतार सिंह सौंखले

श्री करतार सिंह सौंखले एक सेवानिवृत्त चीफ फार्मासिस्ट हैं। वह बांस की तीलियों से बोतलों में लघुकृतियां बनाने वाले एक प्रसिद्ध और उत्कृष्ट कारीगर हैं। वर्तमान में वह, हिमाचल प्रदेश सरकार की पहल पर केंद्र सरकार की कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दे रहे हैं।

2. 1 अप्रैल, 1959 को हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर के गांव रतरा में स्वर्गीय श्रीमती जानकी देवी और स्वर्गीय श्री परस राम सौंखले के घर जन्मे श्री सौंखले एक मध्यमवर्गीय किसान परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गैलोर, जिला हमीरपुर से प्राप्त की और हिमाचल प्रदेश के शिमला से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद, उन्होंने हिमाचल प्रदेश मेडिकल डिपार्टमेंट से पेशेवर योग्यता हासिल की। उन्होंने 33 वर्ष तक चिकित्सा पेशे में अपनी सेवाएं दीं। अपने पेशे के अलावा, उन्हें अपने आसपास की विलुप्त और लुप्तप्रायः चीजों का अवलोकन करने और उनके संरक्षण में गहरी रुचि थी जो भारतीय संस्कृति और परंपरा की अभिन्न प्रवृत्ति रही है।

3. श्री सौंखले को मॉडल बनाकर जीर्ण-शीर्ण हो चुकी पुरानी और सुंदर इमारतों के संरक्षण का विचार सूझा। इन इमारतों में से कुछ ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व की थीं। समय बीतने के साथ, उन्होंने इस रुचि को अपना शौक बना लिया और बाद में प्रमुख सामग्री के रूप में बांस और पॉलीथिन बैग, कांच की बोतलें, चिथड़े आदि जैसे कचरे के द्वारा सुंदर लघु कलाकृतियां तैयार करने को अपना जुनून बना लिया। वह ऐतिहासिक भवनों, धार्मिक इमारतों और प्राणियों की आकर्षक प्रतिकृतियां बनाने लगे।

4. श्री सौंखले की कला 'बैंटनी कैसल शिमला', निकोलस रोरिक आर्ट गैलरी नग्गर', कुल्लू और अन्य स्थानों पर प्रदर्शनियों के दौरान आकर्षण का केंद्र बनी और उन्होंने हिमाचल प्रदेश और उसके बाहर काफी सराहना और सम्मान प्राप्त किया। प्रमुख सामग्री के तौर पर बांस के द्वारा लघु आकृतियां और मॉडल बनाने की उनकी उत्कृष्ट विशेषज्ञता, न केवल मन को मोह लेती है बल्कि अपने जादू में बांध लेती है। विशेष रूप से, उन्होंने थ्रॉटल्स के माध्यम से साबुत ग्लास बोतलों में ऐतिहासिक और अन्य संरचनाओं के लघु रूप तैयार किए हैं। उनके द्वारा बोतलों में महात्मा गांधी, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और कई और विशिष्ट हस्तियों के लघु रूप भी बनाए हैं।

5. श्री सौंखले को कई संस्थाओं और संगठनों द्वारा विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है जिनमें इंडियन एक्सीलेंसी अवार्ड शामिल है। उन्हें इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी स्थान प्राप्त हुआ है।